



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 8, 1990 (भाद्रपद 17, 1912)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 8, 1990 (BHADRA 17, 1912)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4

### [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिज़र्व बैंक

लोक श्रृणु कार्यालय

मद्रास—600001, दिनांक 8 सितम्बर 1990

सं० ए०/III/IV/245/90—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15वां) की धारा 43 के अधीन बनाई गई औद्योगिक वित्त निगम (बांडों का निर्गम) विनियमावली, 1949 के विनियम 10 के अनुसरण में (जून 1990 को समाप्त छमाही के लिए) खोई आदि प्रतिभूतियों की निम्नलिखित सूची इसके द्वारा विज्ञापित की जाती है। इनके संबंध में प्रथमदृष्ट्या यह विश्वास करने के आधार हैं कि प्रतिभूतियां खो गई हैं तथा आवेदक का दावा उचित है। प्रत्येक प्रतिभूति के सामने उल्लिखित दावेदार

के अलावा अन्य ऐसे सभी व्यक्तियों को, जिन्हें प्रतिभूतियों पर कोई दावा हो चाहिए कि वे प्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, मद्रास में तुरंत पत्राचार करें।

नामावली	प्रतिभूति की संख्या	मूल्य रु०	जिनके नाम पर जारी किया गया है	जिस दिनांक से ब्याज देय है	अनुसूचि जारी करने/ चुकौती मूल्य के लिए दावेदार का नाम	जारी किए आदेश की संख्या व तारीख
1	2	3	4	5	6	7
11 प्रतिशत आईएफसी बांड 2001 (पैतालीसवीं माला)	एमएस 000029	10,00,000	भारतीय रिज़र्व बैंक	25-5-88	बैंक आफ़ तंजाऊर लिमिटेड, तंजाऊर	वि० 13 दिसम्बर, 1989 के सं० प्र० की शायरी सं० 70 (एलएन 2611)
11 प्रतिशत आईएफसी बांड 2002 (सैतालीसवीं माला)	एमएस 000017 एमएस 000018 एमएस 000019 एमएस 000020 एमएस 000021	5,00,000 5,00,000 5,00,000 5,00,000 5,00,000	-वही-	27-5-88	-वही-	-वही-
11 प्रतिशत आईएफसी बांड 2002 (अड़तालीसवीं माला)	एमएस 000040 एमएस 000041 एमएस 000042 एमएस 000043 एमएस 000044 एमएस 000045 एमएस 000046	10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000				

ह०/- प्रपठनीय  
प्रबंधक  
भारतीय रिज़र्व बैंक

#### केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी और बैंक लेखा विभाग

बम्बई-400001, दिनांक 8 सितम्बर 1990

लोक ऋण अधिनियम, 1944 की धारा 28 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा बनाए और 20 अप्रैल, 1946 को राजपत्र में प्रकाशित [29 अप्रैल, 1954 के अधिसूचना क्रमांक एफ(8)/70-बी-52 के तहत यथासंशोधित] नियमों के नियम 18 के अनुसरण में 30 सितम्बर, 1989 को समाप्त तिनाही के लिए निम्नलिखित सूची एतद्वारा उन खो गई आदि प्रतिभूतियों के संबंध में विज्ञापित की जाती है, जिनके बारे में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रयत्नदृष्टया आधार है कि प्रतिभूतियां खो गई हैं और आवेदक का दावा न्यायोचित है। निम्नलिखित संबंधित दावेदारों से इतर अन्य सभी ऐसे व्यक्ति, जिनका इन प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुख्य लेखाकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय ऋण प्रभाग, बम्बई को सूचित करें।

प्रतिभूति का क्रमांक	मूल्य रु०/ग्राम	किसके नाम पर जारी किया गया	किस तारीख से ब्याज लगाया जा रहा है :	ड्यूप्लीकेट जारी करने के लिए और/या उन्मोचन मूल्य की अदायगी के लिए दावेदार (रों) का नाम	जारी किए गए आदेश का दिनांक और क्रमांक
1	2	3	4	5	6

#### बम्बई सर्कल

6½% स्वर्ण बांड, 1977

बीबाइ 030071	10/-	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	27-2-63	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	केस सं० एल 1672 संयुक्त प्रबंधक का
--------------	------	--------------------------------	---------	--------------------------------	------------------------------------

1	2	3	4	5	6
बीवाइ 030072	50/-	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	27-2-63	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	दिनांक 2-8-89 का आदेश तथा दिनांक
बीवाइ 030073	500/-	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	27-2-63	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	2-8-1989 का सी० ओ० डायरी सं०
बीवाइ 030074	1000/-	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	27-2-63	श्रीमती सावित्री होतचंद अडवाणी	30

## 3% संपरिवर्तन ऋण, 1946

बीवाइ 450126	24000/-	दि म्युनिसिपल कमिशनर आफ ग्रेटर बम्बई	16-3-79	गोल्डन केमिकल्स प्राइवेट लि०	केम सं० एल 1948 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 21-8-89 का आदेश तथा दिनांक 22-8-89 का सी०ओ० डायरी सं० 49
--------------	---------	---	---------	---------------------------------	--

## कलकत्ता सर्कल

## राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांड, 1980 "बी" शृंखला

सीए 000296	115 ग्राम स्वर्ण	मदन मोहन प्यने	13-12-65	मदन मोहन प्यने	फाइल सं० 1 2352 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 19-7-89 का आदेश
सीए 000847	22 ग्राम स्वर्ण	नारायणी देवी	जारी किए जाने की तारीख से	नारायणी देवी	फाइल सं० 1 2414 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 27-7-89 का आदेश

## 3% संपरिवर्तन ऋण, 1946

सीए 351847	4,000/- 850 (प्रत्येक 1,000/- का)	मेनका सुंदरी दासी	16-9-85	मेनका सुंदरी दासी	फाइल सं० 1 2450 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 17-8-89 का आदेश
सीए 226436	9,000/-	रास बिहारी मुखर्जी (अब मृत)	16-9-60	बसंती गांगुली	फाइल सं० 1 2474 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 17-8-89 का आदेश
सीए 390437	1,000/-	गुरु सहाय मुखर्जी	16-7-83	गुरु सहाय मुखर्जी	फाइल सं० 1 2468 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 19-9-89 का आदेश
390438	500/-				
390439	500/-				
390440	500/-				
390441	500/-				
390442	500/-				
सीए 390495	1,000/-	बिनीता देवी	16-3-80	बिनीता देवी	फाइल सं० 1 2469 संयुक्त प्रबंधक का दिनांक 19-9-89 का आदेश
390496					

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

## हैदराबाद सर्कल

## राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांड, 1980 "बी" श्रृंखला

एचडी 0034911	41 ग्राम	पुत्तुकोडे रामास्वामी अय्यर	27-10-73	पी० वेंकटाचलम मिताधर प्रमाण-पत्र धारक	सीओ० 45/एलएन/ 470 दिनांक 2-9-89
--------------	----------	-----------------------------	----------	--	------------------------------------

## राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांड, 1980 "ए" श्रृंखला

एचडी 007793	45 ग्राम	गोरन्तला चेंचु पुन्नैया	27-10-67	गोरन्तला चेंचु पुन्नैया	सीओ० 61/एलएन/ 907 दिनांक 20-9-89
-------------	----------	-------------------------	----------	-------------------------	--

## नागपुर सर्किल

## राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बांड, 1980 "ए" श्रृंखला

*एनजी 000708	53 ग्राम	मैसर्स बिसेमर प्रसाद जवाहरलाल	ब्याज पहले ही प्रदत्त	मैसर्स बिसेमर प्रसाद जवाहरलाल	दिनांक 21-8-89 का सीओ-36
--------------	----------	----------------------------------	--------------------------	----------------------------------	-----------------------------

\*ड्यूप्लीकेट तुरन्त जारी किया जाना प्राधिकृत

२/- अपठनीय  
मुख्य लेखाकार  
भारतीय रिजर्व बैंक

## बेना बैंक

## कार्मिक विभाग

बम्बई-400005, दिनांक 11 जुलाई 1990

सं. 1 जेड पी ई आर/4713/90—बेना बैंक का निदेशक मंडल, बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी में बेना बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1979 को संशोधित करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन विनियमों का नाम बेना बैंक (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 1990 है।

(2) ये विनियम उस तारीख से लागू होंगे जिस तारीख को कार्यालयीन राजपत्र में प्रकाशित होंगे।

## 1. विनियम 2 :

2 (1) ये विनियम बैंक की सभी अधिकारियों और बैंक के ऐसे अन्य कर्मचारियों को, जिनको ये सक्षम प्राधिकारी द्वारा लागू किये जाएं, उस विस्तार तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए लागू होंगे जो ऐसे प्राधिकारी द्वारा विनिश्चित की जाएं।

2 (2) ये विनियम भारत के बाहर स्थानांतरित/तैनात/प्रतिनियुक्त अधिकारियों को भी उस विस्तार तक लागू होंगे जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा विशेषतः या सामान्यतः विनिश्चित की जाएं।

2 (3) तथापि, ये ऐसे कर्मचारियों, जो भारत के बाहर किसी देश में नियुक्त/कार्यरत हैं और वहां स्थायी रूप से सेवा कर रहे हैं, को लागू नहीं होंगे।

बी. एन. मणिधर  
सहा. महा प्रबंधक (कार्मिक)

## श्रम मंत्रालय

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 अगस्त 1990

सं० 2/1959/डी० एल० आई०/एवजम/89/भाग-I/4122—जहां मैसर्स मार्डन फूड इन्डस्ट्रीज (इण्डिया) लि०, पालिका भवन, रिंग रोड, तीसरी मंजिल, आर० ५० पुरम, दिल्ली-66 (दिल्ली) (डी० एल० 2810) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि मैं, बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप महबूब बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वोकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे हमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एम-35014 (181)82- (एम० एम० II) तिथि 2 जन०, 1986 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी० एन० सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को 28-2-90 तक की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जो दिनांक 18-9-88 से 28-2-90 तक लागू होगा। जिसमें यह तिथि 28-2-90 भी शामिल है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किये जाने

की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों की अपना रुचिकरण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत ताग्रेस सं भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पोलिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं० 2/1959/डी० एन० आई०/एकनाम/89/भाग-I/4127—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों [जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है] कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवर्ग अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है। जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूँकि मैं, बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई

अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके

साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मै. बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची 1 में) उल्लिखित पिछला तारीख से प्रभावी जित तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 18 (7) के अन्तर्गत छील प्रदान की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए जस्त स्कीम से संचालन को छूट देता हूँ।

#### अनुसूची-1

क्षेत्र: गुजरात।

क्र. सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के. आ. का. नं.
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स बेपर, नवराजी वकिल कम्पाउण्ड पुलिस लाइन, शाहीबाद, अहमदाबाद- 380004	जी० जे/1315	1-9-89 से 28-2-90	2/2848/90-डी० एल० आई०
2.	मैसर्स गुजरात टी प्रोसेसर एण्ड पैकर्स प्रा० लि०, विपुल स्टेट, मिस्टर प्रगति हाई स्कूल, खोबरा, महमदाबाद, अहमदाबाद-8	जी० जे/2305-ए	1-1-88 से 28-2-90	2/2844/90-डी० एल० आई०
3.	मैसर्स बुड पोलीमेर लि०, एम० जी० रोड, बिल्लीमोरा-396 321, जिला बुलसर।	जी० जे/4626	1-8-87 से 28-2-90	2/2851/90-डी० एल० आई०
4.	मैसर्स यूनिफेलक्स पाइप एण्ड फिटिंग्स प्रा० लि०, प्लॉट नं० 68, गवर्मेन्ट इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, मस्त दादरा नगर हवेली, सिल्वासा-396230	जी० जे/8232-सी	1-3-88 से 28-2-90	2/2850/90-डी० एल० आई०
5.	मैसर्स अग्रवाल पेपर मिल्स प्रा० लि०, 168, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, वापी-396195 (गुजरात)।	जी० जे/9006	1-3-88 से 28-2-90	2/2852/90-डी० एल० आई०
6.	मैसर्स बेपर प्रा० लि०, नौरोजी वकिल कम्पाउण्ड पुलिस लाइन, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004	जी० जे/14219	1-9-89 से 28-2-90	2/2847/90-डी० एल० आई०
7.	मैसर्स साकर, नौरोजी, वकिल कम्पाउण्ड, पुलिसलेन, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004	जी० जे/14300	1-9-89 से 28-2-90	2/2842/90-डी० एल० आई०
8.	मैसर्स रांग, नौरोजी, वकिल कम्पाउण्ड पुलिस लाईन्स, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004	जी० जे/17651	1-9-89 से 28-2-90	2/2841/90-डी० एल० आई०
9.	मैसर्स आकाश नौरोजी, वकिल कम्पाउण्ड, पुलिस लाईन्स, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004	जी० जे/17652	1-9-89 से 28-2-90	2/2845/90-डी० एल० आई०
10.	मैसर्स कसब नौरोजी, वकिल कम्पाउण्ड पुलिस लाईन्स, शाहीबाग, अहमदाबाद-380004	जी० जे/17653	1-9-89 से 28-2-90	2/2843/90-डी० एल० आई०

## अनुसूची

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत संस्थाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वृत्ति में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना

पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी शीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी में व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

संख्या: 2/1959/डी० एल० आई०/एफजाम/89/भाग-1/4132—जहां मैमर्स सेलम स्टील प्लांट (स्टील अथोरिटी आफ इण्डिया लि०) एस० ए-150, रेलवे वेस्ट कालोनी, सेलम (टी० एन०/7694) के कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (के) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप महबूब बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस-35014 (133) 83/पी० एफ० II तिथि 16-9-83 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं बी० एन० सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को 28-2-90 तक की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं, जो दिनांक 16-9-86 से 28-2-90 तक लागू होगा। जिसमें यह तिथि 28-2-90 भी शामिल है।

## अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संक्षेप राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संक्षेप होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्दिष्टियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशिओं के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पढ़ने अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दिष्टों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक उस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्दिष्टों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुनिश्चित करेगा।

संख्या: 2/1959/डी० एन० आई०/एकजाम/89/भाग-I 4137—जहां मैसर्स ईलैक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन आफ तमिल-नाडु लिमिटेड, एन० एल० ए० बिल्डिंग, 735 अन्नामलाई, मद्रास-600002 (टी० एन०/16633) और डमकी शाखाएं (टी० एन०/16633-बी), (टी० एन०/16633-सी) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण जपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा (2) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी० एन० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप ग्रहण बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना संख्या: एम-35014/118/84 एन० एन० एन०-IV तिथि 24-11-84 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं बी० एम० सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जो दिनांक 24-11-87 से 28-2-90 तक लागू होगा। जिसमें यह तिथि 28-2-90 भी शामिल है।

## अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।



2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समस्त-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा दिया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीक्षित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती अब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/लाम निदेशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदेशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त

स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार गार्ग निदेशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

दिनांक 22 अगस्त 1990

सं० के० भ० नि० आ०/1 (4) राजस्थान (166)/90 /4282—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जाएं।

क्र० कोड नं० सं०	स्थापना का नाम व पता	व्यापित की तिथि
(1) आर० जे० /3954	पाली जिला सहकारी उपभोक्ता होल सेल भंडार लिमिटेड, पाली.	1-11-1984

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई है।

सं० के० भ० नि० आ०/1(4) हरियाणा (165)/90 /4178—केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को जहां प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापना से संबंधित नियोक्ता तथा कर्मचारियों का बहुमत इस बात से सहमत हो गए हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापना पर लागू किए जाएंगे।

क्र० कोड नं० सं०	स्थापना का नाम व पता	व्यापित की तिथि
(i) एच० आर० मी० केरियर एयरकोन /10695	लिमिटेड, प्लॉट नं० 861, सैक्टर-14, गुडगावा-122001 (हरियाणा) और इसकी शाखाएं :— मद्रास, बम्बई तथा दिल्ली में	1-12-1987

अतः केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त स्थापना को उस या उस प्रभावी तिथि से अधिनियम को लागू करते हैं जो उक्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है।

दिनांक 23 अगस्त, 1890

शुद्धिपत्र

सं० पी-4/1(6)/89—दिनांक 9-6-1990 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन सांख्यिकी सहायक भर्ती विनियम 1988 से संबंधित अधिसूचना सं० पी-4/1(6)/89 में,

(I) शब्द "सांख्यिकी सहायक भर्ती विनियम 1986" के स्थान पर शब्द "सांख्यिकी सहायक भर्ती विनियम, 1988" पढ़ें।

(II) पैरा 1 के उप-पैरा (1) एवम (2) में शब्द "नियम" के स्थान पर शब्द "विनियम" पढ़ें।

सं० पी-IV/1(6)/89—दिनांक 9-6-1990 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित कर्मचारी भविष्य निधि संगठन लिफ्ट आपरेटर, भर्ती नियम, 1986 से संबंधित अधिसूचना संख्या पी-4/1(6)/89 में,

(1) पैरा 1 के उप-पैरा (2) एवम (2) में शब्द "विनियम" के स्थान पर शब्द "नियम" पढ़ें।

(2) पैरा 2 में संख्या "5" के स्थान पर संख्या "6" पढ़ें।

सं० पी-IV/1(6)/89—दिनांक 9-6-1990 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन बाइंडर भर्ती विनियम, 1986 से संबंधित अधिसूचना संख्या पी-IV/1(6)/89 में,

"बाइंडर भर्ती विनियम 1988" के स्थान पर "बाइंडर भर्ती विनियम 1986" पढ़ें।

बी० एन० सोम,  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

# RESERVE BANK OF INDIA

## PUBLIC DEBT OFFICE

Madras-600 001, the 8th September 1990

No. A/III/IV/245/90.—In pursuance of Regulation 10 of Industrial Finance Corporation (Issue of Bonds) Regulations 1949 made under section 43 of Industrial Finance

Corporation Act 1948 (15 of 1948), the following list (for the halfyear ended June 1990) is hereby advertised of securities lost, etc. in respect of which prima facie grounds exist for believing that the securities have been lost and that the claim of the applicant is just. All persons other than the claimant named against each who have any claim upon the securities should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India Public Debt Office, Madras.

## LIST OF SECURITIES BELIEVED LOST

Nomenclature	Security No.	Value Rs.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name of the claimant for issue of duplicate and/or discharge value	No. and date of order issued
11 % IFC Bonds 2001 (45th series)	MS 000029	10,00,000	Reserve Bank of India	25-5-88	Bank of Thanjavur Ltd., Thanjavur	Joint Manager's diary No. 70 dated 13-12-89 (LN 2611)
11 % IFC Bonds 2002 (47th series)	MS 000017 MS 000018 MS 000019 MS 000020 MS 000021	5,00,000 5,00,000 5,00,000 5,00,000 5,00,000	Do.	27-5-88	Do.	Do.
11 % IFC Bonds 2002 (48th series)	MS 000040 MS 000041 MS 000042 MS 000043 MS 000044 MS 000045 MS 070046	10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000 10,00,000				

(Sd.) ILLEGIBLE  
Manager  
Reserve Bank of India

## CENTRAL OFFICE

## DEPARTMENT OF GOVERNMENT &amp; BANK ACCOUNTS

Bombay, the 8th September, 1990

In pursuance of Rule 18 of the Rule made by the Government of India under section 28 of the public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 20th April 1946 (as amended under the Notification N.F(8)/70-B/52 dated 29th April 1954) the following list (for the quarter ended 30th September 1989 is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which prima facie ground : exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimant named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief Accountant, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Bombay.

Number of Security	Value Rs/Grams	In whose name issued	From what date bearing interest	Name of the Claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. and date of order issued
1	2	3	4	5	6

## BOMBAY CIRCLE

## 6½% Gold Bonds 1977

BY 030071	10/-	Smt. Savitri Hotchand Advani	27-2-1963	Smt. Savitri Hotchand Advani	Case No. L 1672 Jt. Manager's order dated
BY 030072	50/-	Smt. Savitri Hotchand Advani	27-2-1963	Smt. Savitri Hotchand Advani	2-8-1989 and CO. Diary No. 30 dated 2-8-1989
BY 030073	500/-	Smt. Savitri Hotchand Advani	27-2-1963	Smt. Savitri Hotchand Advani	
BY 030074	1,000/-	Smt. Savitri Hotchand Advani	27-2-1963	Smt. Savitri Hotchand Advani	

## 3% Conversion Loan 1946

BY 450126	24,000/-	The Municipal Commissioner of Greater Bombay	16-3-1979	Golden Chemicals Pvt. Ltd.	Case No. L 1948 Jt. Manager's order dated 21-8-1989 & C.O. Diary No. 49 dated 22-8-1989
-----------	----------	--	-----------	----------------------------	---

## CALCUTTA CIRCLE

## National Defence Gold Bonds 1980 'B' Series

CA 000296	115 Gms. of Gold	Madan Mohan Pyne	13-12-65	Madan Mohan Pyne	File No. I 2352 Jt. Manager's order dated 19-7-1989.
CA 000847	22 Gms. of Gold	Narayani Debi	Since issue	Narayani Debi	File No. I 2414 Jt. Manager's order dated 27-7-1989.

## 3% Conversion Loan 1946

CA 351847	Rs. 4,000/- (1,000/- each)	Menaka Sundari Dasi	16-9-85	Menaka Sundari Dasi	File No. I 2450 Jt. Manager's order dated 17-8-1989.
CA 226436	Rs. 9,000/-	Rash Behary Mukherjee (since deceased)	16-9-60	Basanti Ganguly	File No. I 2474 Jt. Manager's order dated 17-8-1989.
CA 390437	Rs. 1,000/-	Guru Sahay Mukherjee	16-7-83	Guru Sahay Mukherjee	File No. I 2468 Jt. Manager's order dated 19-9-1989
CA 390438	500/-				
CA 390439	500/-				
CA 390440	500/-				
CA 390441	500/-				
CA 390442	500/-				
CA 390495	Rs. 1,000/-	Bineeta Debi	16-3-80	Bineeta Debi	File No. I 2469 Jt. Manager's order, dated 19-9-1989.

1	2	3	4	5	6
<b>Hyderabad Circle</b>					
<b>NATIONAL DEFENCE GOLD BONDS 1980 'B' SERIES</b>					
HD. 003491	41 gms	Puttucode Ramaswamy Iyer	27-10-1973	P. Venkateshram, Mitakshara Certificate Holder	CO. 45/LN: 470 dated 2-9-1989
<b>NATIONAL DEFENCE GOLD BONDS 1980 'A' SERIES</b>					
HD. 007793	45 gms.	Gorantla Chenchu Punnaiah	27-10-1967	Gorantla Chenchu Punnaiah	Co. 61/LN/907 dated 20-09-1989
<b>Nagpur Circle</b>					
<b>NATIONAL DEFENCE GOLD BONDS 1980 SERIES 'A'</b>					
*NG00708	53 gms.	M/s. Bisesar Prasad Jawaharlal	Interest already paid	M/s. Bisesar Prasad Jawaharlal	CO-36 dated 21-8-1989

\*Immediate issue of duplicate authorised.

(Sd.) ILLEGIBLE  
CHIEF ACCOUNTANT  
Reserve Bank of India,

**DENA BANK**  
**PERSONNEL DEPARTMENT**  
Bombay, the 11th July 1990

No. 1ZPER/4713/90.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of DENA BANK in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the DENA BANK (Officers') Service Regulations, 1979.

2. Short title & Commencements : (1) these regulations may be called the Dena Bank (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

**1. REGULATION 2 :**

- 2(1) These regulations shall apply to all officers of the Bank and to such other employees of the Bank to whom they may be made applicable by the Competent Authority to the extent and subject to such conditions as such Authority may decide.
- 2(2) They shall also apply to officers transferred/posted/deputed outside India except to such extent as may be specifically or generally prescribed by the Competent Authority.
- 2(3) They shall, however, not apply to employees appointed/engaged in any country outside India and permanently serving there.

V. L. MANIAR  
Asst. General Manager (P)

**MINISTRY OF LABOUR**  
**OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND**  
**COMMISSIONER**

New Delhi-110001, the 21st August 1990

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/4122.—WHEREAS M/s. Modern Food Industries (India) Ltd. Palika Bhawan, 3rd Floor, R. K. Puram, Ring Road, New Delhi-66 (DL-2810) have applied for exemption under sub-section (2A) of

Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014 (181) 82-PF, II (SS. II) Dated 2 Jun 1986 and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, I B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period from 18-9-88 to 28-2-90 upto and inclusive of the 28-2-90.

**SCHEDULE**

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees:

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life

Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/4127.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act);

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employers of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28 (7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for and upto a period of 28-2-90.

#### SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	M/s. Vepar, Nawroji Vakil Compound, Police Lines, Shahibag Ahmedabad-380004.	GJ/1315-G	1-9-89 to 28-2-90	2/2848/90/DLI
2.	M/s. Gujarat Tea Processors & Packers(P) Ltd., Vipul Estate, Nr. Pragati High School Khokhara Mahemdabad Ahmedabad-8.	GJ/2305-A	1-1-88 to 28-2-90	2/2844/90 DLI
3.	M/s. Wood Polymer Ltd., M.G. Road, Bilimora-396-321 Distt. Bulsar.	GJ/4626	1-8-87 to 28-2-90	2/2851/90 DLI
4.	M/s. Uniflex Pipes & fittings (P) Ltd. Plot No. 68, Govt. Industrial Estate, Masat Dadra Nagar Haveli, Silvassa 396230.	GJ/8232-C	1-3-88 to 28-2-90	2/2850/90 DLI
5.	M/s. Agarwal Paper Mills Pvt. Ltd., 168, Industrial Estate, Vapi-396195 Gujarat.	GJ/9006	1-3-88 to 28-2-90	2/2852/90 DLI
6.	M/s. Vepar Pvt. Ltd., Nawroji Vakil Compound, Police Lines, Shahibag, Ahmedabad-380004.	GJ/14219	1-9-89 to 28-2-90	2/2847/90 DLI
7.	M/s. Sakar, Nawroji Vakil Compound, Police Lines, Shahibag, Ahmedabad-380004.	GJ/14300	1-9-89 to 28-2-90	2/2842/90 DLI
8.	M/s. Rang, Nawroji Vakil Compound, Police Lines, Shahibag Ahmedabad-380004.	GJ/17651	1-9-89 to 28-2-90	2/2841/90 DLI
9.	M/s. Akash, Nawroji Vakil Compound, Police Lines, Shahibag Ahmedabad-380004.	GJ/17652	1-9-89 to 28-2-90	2/2845/90 DLI
10.	M/s. Kasab, Nawroji Vakil Compound, Police Lines, Shahibag, Ahmedabad-380004.	GJ/17653	1-9-89 to 28-2-90	2/2843/90 DLI

## SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/4132.—WHEREAS Salem Steel Plant (Steel Authority of India Ltd.) SA-150., Railway West Colony., Salem (TN/7694) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act :—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014(133)/83-PF-II Dated 16-9-86 and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, I B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period from 16-9-86 to 28-2-90 upto and inclusive of the 28-2-90.

## SCHEDULE

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee (s)/Legal heirs (s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pl.1/4137.—WHEREAS M/s Electronics Corporation of Tamil Nadu Limited, ILLA Building, 735, Annasalai, Madras-600002 TN/16633 and its branches covered under the Code Nos. TN/16633-B and TN/16633-C, have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) herein-after referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/118/84-SS-IV Dated 24-11-84 and subject to the conditions specified in Schedule annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period from 24-11-87 to 28-2-90 upto and inclusive of the 28-2-90.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heirs(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee (s) legal heirs (s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

New Delhi-110 001, the 22nd August 1990

No. CPFC. 1(4)RJ(166)/90/4282.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	RJ/3954	M/s. Pali Zila Sahikari Upbhokta Bhandar Limited, Pali.	1-11-84

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund-Commissioner hereby applies the provisions of the said

Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

No. CPFC. 1(4)/HR (165)/90/4178.—Whereas it appears to the Central Provident Fund Commissioner that the employer and the majority of employees in relation to the following establishment have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment namely :—

S. No.	Code No.	Name & Address of the Estt.	Date of coverage
1.	HR/10695	M/s. Carrier Aircon Limited, Plot No. 861, Sector-14, Gurgaon-122001. (Haryana). including its branches at Madras, Bombay, & Delhi.	1-12-87

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Provident Fund Commissioner hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishment from and with effect from the date mentioned against the name of the said establishment.

The 23rd August 1990

#### CORRIGENDUM

No. P. IV/1(6)/89.—In the notification No. P. IV/1(6)/89 relating to the Employees' Provident Fund Organisation Lift Operator Recruitment Rules, 1986, published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 on 09-06-90.

In the part 2 for the words "*the para 5 relating to*" read the words "*the para 6 relating to*" and read figure "6" instead of "5" appearing prior to the words "Power to relax".

B. N. SOM  
Central Provident Fund Commissioner